

जल प्रौद्योगिकी केन्द्र
भा.कृ.अनु.प.-भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान
पूसा, नई दिल्ली-110012
सिंचाई जल परीक्षण सूचना एवं सुझाव का प्रारूप
(प्रारूप निर्माता एवं विषय विशेषज्ञ: डॉ. धारा सिंह गुर्जर, वरिष्ठ वैज्ञानिक)

किसान का नाम.....ग्राम.....खंड.....जिला.....राज्य.....

जल नमूना का प्रकार..... भूजल की गहराई..... फसल चक्र.....

नमूना लेने की दिनांक.....जल परीक्षण की दिनांक.....संदर्भ संख्या.....

नमूना संख्या	पी.एच.	ई. सी. (डेसी सीमन प्रति मीटर)	सोडियम (मिलीतुल्य प्रति लीटर)	कैल्शियम + मैगनीशियम (मिलीतुल्य प्रति लीटर)	कार्बोनेट + बाईकार्बोनेट (मिलीतुल्य प्रति लीटर)	सोडियम अवशोषण अनुपात	अवशिष्ट सोडियम कार्बोनेट (मिलीतुल्य प्रति लीटर)	जल गुणवत्ता वर्ग (लवणीय/क्षारीय/सामान्य)	सुझावित वर्ग	जिप्सम की मात्रा (किलोग्राम प्रति हेक्टेयर)

सुझावित वर्ग

(अ) आपका जल सब प्रकार की मिट्टीयों एवं फसलों के लिये उपयुक्त है ।

(ब) आपका जल लवण अर्द्ध-सहनशील फसलों के लिए रेतीली, रेतीली दोमट, दोमट, चिकनी दोमट व चिकनी जमीनों के लिये उपयुक्त है ।

(स) आपका जल लवण सहनशील फसलों के लिए रेतीली, रेतीली दोमट, दोमट, चिकनी दोमट व चिकनी जमीनों के लिये उपयुक्त है ।

(द) आपके जल में अवशिष्ट सोडियम कार्बोनेट की समस्या है अतः इस तरह के जल का सिंचाई में प्रयोग करने से पहले जिप्सम की ऊपर दी गई मात्रा का प्रयोग करें ।

(य) आपका जल सिंचाई के योग्य नहीं है अतः नया बोर करवाये ।

(र) अन्य

लवण सहनशीलता की श्रेणी के अनुसार उपयुक्त फसलें

लवण संवेदनशील फसलें : सेम, मटर, दाले (चना, मूंग, मसूर), हरी सेम, सेलरी, मूली ग्वार, लाल क्लोवर, सफेद क्लोवर आड़ू, नासपाती, सेव, स्ट्रॉबेरी, ब्लैकबेरी

लवण अर्द्ध-सहनशील फसलें : जई, चावल, ज्वार, मक्का, बाजरा, गेहूँ, अरहर, सोयाबीन, अरंडी, तिल, सूरजमुखी टमाटर, पत्तागोबी, फूलगोबी, आलू, गाजर, प्याज, करेला, कद्दू, खीरा सेंजी, सूडान गास, रिजंका, ज्वार, बरसीम, लोबिया, अनार, अंगूर, अमरुद, आम, केला, नींबू, संतरा

लवण सहनशील फसलें : जौ, ढैंचा, सरंसो, कपास, तम्बाकू, तारामीरा शलजम, चुकंदर, ऐस्पैरागस, पालक साल्ट गास, दूब गास, रोडेज गास, बरमूडा गास, खजूर, नारियल

नोट: 1. यह जल परीक्षण सूचना किसी भी तरह की कानूनी प्रक्रिया के लिए वैध नहीं है ।

2. यह जल नमूना किसान द्वारा लाया गया है ।

3. कृपया विस्तृत जानकारी के लिए परियोजना निदेशक, जल प्रौद्योगिकी केन्द्र, भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान, नई दिल्ली-110012 से मिलें ।